[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No.	:	....
Sl. No. of Q. Paper	:	**2801 I**
Unique Paper Code	:	2131001003
Name of the Paper	:	(Introductory) Introduction to Sanskrit language
Name of the Course	:	**AEC - Sanskrit**
Semester	:	I

Time : 2 Hours ***Maximum Marks : 60***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(i) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(ii) Answer may be written in **Sanskrit, Hindi** or **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत, हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी,** किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु **सभी** उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(iii) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. Explain Karta Karaka with example. 5

कर्ता कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

OR

अथवा

Explain Karana Karaka with example.

करण कारक को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

2. (a) Write the specific form of any **five** words of the following : 5×1=5

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए :

(क) ज्ञान-द्वितीया विभक्ति

(ख) लता-षष्ठी विभक्ति

(ग) युष्मद्-तृतीया विभक्ति

(घ) राम-चतुर्थी विभक्ति

(ङ) गुरु-प्रथमा विभक्ति

(च) तत्-(स्त्रीलिङ्ग) पंचमी विभक्ति

(छ) पुष्प-सप्तमी विभक्ति

(b) Write the Vibhakti and Vachan of any **five** padas of the following : 5×1=5

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का विभक्ति एवं वचन लिखिए :

(क) रामाभ्याम्

(ख) तस्याः

(ग) कस्मात्

(घ) ज्ञानैः

(ङ) धनानाम्

(च) गुरौ

(छ) हरये

(c) Write the specific form of any **five** verbs of following : 5×1=5

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए :

(क) गै - लट् लकार, प्रथम पुरुष

(ख) दृश् - लृट् लकार, मध्यम पुरुष

(ग) स्था - लङ् लकार, उत्तम पुरुष

(घ) गम् - लट् लकार, प्रथम पुरुष

(ङ) खाद् - लङ् लकार, प्रथम पुरुष

(च) वद् - लृट् लकार, उत्तम पुरुष

(छ) हस् - लट् लकार, मध्यम पुरुष

(d) Write the Lakara, Purusha and Vachan of any **five** of the following : 5×1=5

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** धातुरूपों का लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए :

खादामः, लिखसि, आस्ताम्, दास्यथ, आसन्, अगच्छताम्, भविष्यथः।

3. Translate any **five** sentences in any into Sanskrit out of the following : 5×2=10

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

(क) राम गांव जाता है।

(ख) हम दोनों खीर खाते हैं।

(ग) सुरेश ने पत्र लिखा।

(घ) लक्ष्मी घर नहीं गई।

(ङ) वह बाजार जाएगी।

(च) वे दोनों गाना गाएंगे।

(छ) हम सब ने ज्ञान प्राप्त किया।

4. Identify the inflection in any **five** of the following underline sentences : 5×1=5

रेखांकित पदों में से किन्हीं **पाँच** पदों में विभक्ति की पहचान कीजिए :

(क) सुरेशः **उपवनं** गच्छति।

(ख) **माता** भोजनं पचति।

(ग) **शिष्याय** स्वस्ति।

(घ) लता **जनकेन** सह गच्छति।

(ङ) <u>**सर्वस्मिन्**</u> आत्मा अस्ति।

(च) बालकः <u>**दुर्जनात्**</u> बिभेति।

(छ) इदं गृहं <u>**गुरोः**</u> अस्ति।

5. With the help of any **two** Avyaya of the following from Sanskrit sentences. 2×1=2

निम्नलिखित अव्ययों में से किन्हीं **दो** अव्ययों को चुनकर वाक्य निर्माण कीजिए।

यथा, कथम्, अथवा, अद्य

6. (a) Fill in the blanks in any **five** of the following sentences : 5×2=10

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(क) रामः महाविद्यालयम् .... (अगच्छत्, अगच्छताम्, अगच्छन्)

(ख) कन्या दुग्धम् .... (पास्यन्ति, पास्यति, पास्यसि)

(ग) यूयं क्रीडां .... (क्रीडिष्यन्ति, क्रीडिष्यथ, क्रीडिष्यामः)

(घ) जनाः उद्याने .... (भ्रमति, भ्रमति, भ्रमन्ति)

(ङ) राधा .... (अनृत्यत्, अनृत्य, अनृत्यन्)

(च) छात्रः गुरुं .... (नमन्ति, नमसि, नमति)

(छ) तौ .... (हसथः, हसतः, हसावः)

(b) Correct any **four** of the followings : 4×2=8

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** को शुद्ध कीजिए :

(क) वयं चलन्ति।

(ख) सः पठतः।

(ग) वयं हसन्ति।

(घ) देवः पठामि।

(ङ) यूयं जलं पास्यामः।

(च) यूयं धनं दास्यन्ति।

***

(b) Jñāna

ज्ञान

(c) Bhakta

भक्त

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **2800 I**

Unique Paper Code : 2131001002

Name of the Paper : Introductory Upanishad and Geeta (Sanskrit B)

Name of the Course : **Common Prog. Group : AEC - Sanskrit**

Semester : I

Time : 2 Hours ***Maximum Marks : 60***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written in **Sanskrit, Hindi** or **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत**, **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी भी एक भाषा में दे सकते हैं, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. Throw light on the meaning of the word Upanishad and its main purposes. 15

उपनिषद् शब्द का अर्थ एवं उसके मुख्य प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Discuss the relevance of Ishavasyopanishad in modern times.

आधुनिक समय में ईशावास्योपनिषद् की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

2. Write short notes on any **two** of the following : 7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Karma

कर्म

(b) Brahma

ब्रह्म

(c) Satya

सत्य

3. 'Geeta is not a book of religion but a book of actions' – review this statement. 15

'गीता धर्म नहीं कर्म ग्रंथ है' – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

OR

अथवा

According to Shrimadbhagwatgeeta, how can proficiencey in work efficiency by achieved through Karmayoga ?

श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार कार्य दक्षता की निपुणता कर्मयोग के द्वारा कैसे प्राप्त की जा सकती है ?

4. Write short notes on any **two** of the following : 7.5×2=15

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Jīva

जीव

(घ) हम लोग सत्य बोलते हैं।
We speak the truth.

(ङ) तुम जल पीते हो।
You drink water.

(च) तुम नगर को जाओ।
You go to the city.

(छ) वह गीता पढ़ेगा ।
He will read Geeta.

(ज) राम बन्दरों के साथ खेला।
Ram played with monkeys.

9. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए : 5×2=10

Change the voice in any **five** of the following :

(क) रामः भोजनं खादति। (ख) देवाः सूर्यं पश्यन्ति।
(ग) त्वं सूर्यं नमसि। (घ) अहं ग्रामं गच्छामि।
(ङ) सः भोजनं पचति। (च) कविः कवितां लिखति।
(छ) शिशुः दुग्धं पिबंति। (ज) वयं पुस्तकं पठामः।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच समस्त-पदों का विग्रह कीजिए : 5×2=10

Split Samasa in any **five** of the following words :

उपकृष्णम्, विद्याविहीनः, चोरभयम्, ईश्वरभक्तः, दशाननः, भीमार्जुनौ, चन्द्रशेखरः

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **2090** **I**

Unique Paper Code : 2132101101

Name of the Paper : Applied Sanskrit,

Name of the Course : **B.A.(Hon.) Sanskrit**

Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit**, **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दरूपों से वाक्यों का निर्माण कीजिए : 5×2=10

Make sentences any **five** of the following forms :

कविः, शिशुम्, पितरम्, आत्मना, लतायै, नद्याः, मनसि

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में वचनपरिवर्तन कीजिए : 5×2=10

Change the numbers in any **five** of the following sentences :

(क) छात्रः पठति। (ख) शिशुः अस्ति।
(ग) पिता लिखति। (घ) कर्ता करोति।
(ङ) भवान् ददाति। (च) लता शृणोति।
(छ) दुर्जनः तुदति।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में पुरूष परिवर्तन कीजिए : 5×2=10

Change the person in any **five** of the following sentences :

(क) तौ पठतः। (ख) युवां स्थः।
(ग) आवां स्वः। (घ) तौ करूतः।
(ङ) युवां दत्थः। (च) आवां शृणुमः।
(छ) दुर्जनौः तुदतः।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में काल परिवर्तन कीजिए : 5×2=10

Change the tense in any **five** of the following sentences :

(क) ते पठन्ति। (ख) भवन्तः गच्छन्ति।
(ग) वयं पठामः। (घ) त्वं वदसि।
(ङ) त्वं पचसि। (च) अहं पिबामि ।
(छ) यूयं चलथः।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच रूपों का वाक्य में प्रयोग कीजिए। 5×2=10

Use any **five** of the following forms in the sentence :

पठितवान्, हसित्वा, लेखितुम्, प्रणम्य, गच्छन्, पठितव्यम्, खादितः

6. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का विच्छेद कीजिए : 1×5=5

Disjoin Sandhi in any **five** of the following :

इत्यत्र, मध्वरिः, नायकः, भवनम्, महेशः, लोकेऽस्मिन्, अथैकः

7. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में संधि कीजिए : 1×5=5

Join Sandhi in any **five** of the following :

प्रति + एकः, लृ + आकृतिः, पो + अनः, पौ + अकः, न + इच्छति, पर + उपकारः, तस्य + एव

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। 5×2=10

Translate any **five** of the following sentences into Sanskrit :

(क) राजा यहां आता है।

The king comes here.

(ख) मैं ईश्वर को नमस्कार करता हूँ।

I salute God.

(ग) तू फल की रक्षा करता है।

You protect the fruit.

(ii) अमरुक

Amruka

(iii) भर्तृहरि

Bhartrihari

(iv) विल्हण

Bilhana

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No..............

आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper : 2114 **I**

Unique Paper Code : 2132101102

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry

Name of the Course : **B.A. (Hons.) SANSKRIT**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All questions are compulsory.**
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

3. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए। अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए: (2×6=12)

Translate any two of the following verses:

(i) शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं

महीध्रादुत्तुङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।

अधाऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तकोमथवा

विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।

महाकवि कालिदास की काव्य शैली पर प्रकाश डालिए ।

Discuss the poetic style of Mahakavi Kalidasa.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्‌भव और विकास की विवेचना कीजिए । (15)

Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए:

Write detail notes on any two of the following:

(i) जयदेव

Jayadeva

(ii) वनेचर- उक्ति के आधार पर दुर्योधन की शासन व्यवस्था का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Describe the governance (Shasana-Vyavastha) of Duryodhana in own words on the basis of the statement of Vanechara.

अथवा / OR

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।

Examine the statement - 'भारवेरर्थगौरवम्'.

(iii) 'कुमारसम्भवम्' के पञ्चम सर्ग के आधार पर पार्वती का चरित्र चित्रण कीजिए।

Describe the character of Parvati according to the fifth canto of 'Kumarasambhavam'.

अथवा / OR

(ii) प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्रान्तरा-

त्समुद्रमपि सन्तरेत्प्रचलदूर्मिमालाकुलम्।

भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद्धारये-

न्न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्।।

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ।।

(iv) कदाचिदासन्नसखीमुखेन सा मनोरथज्ञं पितरं मनस्विनी।

अयाचतारण्यनिवासमात्मनः फलोदयान्ताय तपः समाधये ।

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (2×9=18)

Explain with reference to the context of any two of the following:

(i) पुनर्ग्रहीतुं नियमस्थया तया द्वयेऽपि निक्षेप इवार्पितं द्वयम् ।

लतासु तन्वीषु विलासचेष्टितं विलोलकृष्टं हिरणाङ्गनासु च ।।

(ii) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये ।

स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे ।।

(iii) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि ।।

(iv) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः। सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं** एक की संस्कृत में व्याख्या कीजिएः

Explain any one of the following in Sanskrit:

(1×9=9)

(i) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

(ii) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः ।

(iii) न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः (3×12=36)

Answer the following questions :

(i) 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' 'नीतिशतकम्' में वर्णित इस कथन के आलोक में 'मूर्खपद्धति' पर प्रकाश डालिए।

Discuss 'मूर्खपद्धति' पद the light of the statement. 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्' depicted in 'Nitishatakam'.

अथवा / OR

'नीतिशतकम्' में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान परिण्श्य में सर्वाधिक प्रासंगिक हैं वर्णन कीजिए।

Discuss that the moral education, depicted in 'Nitishatakam' is much relevant in present scenario.

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3615**

Unique Paper Code : **2135001001**

Name of the Paper : **Basic Principles of Ayurveda**

Name of the Course : **Common Prog. Group, GE : Sanskrit**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Define Āyurveda. What is the concept of health according to Āyurveda ? 15

आयुर्वेद को परिभाषित कीजिए। आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य क्या है ?

Or/**अथवा**

Explain the aim of Āyurveda and elaborate its subject matter.

आयुर्वेद का उद्देश्य बताते हुये इसकी विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

2. Write short notes on any *two* of the following : 2×7.5=15

(*a*) Caraka Saṁhitā

(*b*) Vāgbhaṭa

(*c*) Pañcamahābhūtas

(*d*) Triguṇas.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(क) चरक संहिता

(ख) वाग्भट

(ग) पंचमहाभूत

(घ) त्रिगुण।

3. Describing the history of Āyurveda, explain its major texts. 15

आयुर्वेद के इतिहास का वर्णन करते हुये इसके प्रमुख ग्रन्थों पर प्रकाश डालिए।

Or/**अथवा**

Defining the Aṣṭāṅga Āyurveda, explain its *eight* divisions.

अष्टाङ्ग आयुर्वेद को परिभाषित करते हुये इसके **आठ** विभागों का वर्णन कीजिए।

4. Comment on any *two* of the following : 2×7.5=15

(*a*) Trayodasāgni

(*b*) Śālākya-Tantra

(*c*) Aśwagandhā

(*d*) Guggulu.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए :

(क) त्रयोदशाग्नि

(ख) शालाक्य तन्त्र

(ग) अश्वगन्धा

(घ) गुग्गुलु।

5. Describe the importance of any *five* medicinal plants given in your syllabus according to Suśruta Saṁhitā. 15

सुश्रुत संहिता के अनुसार पाठ्यक्रम में दिये गये किन्हीं **पाँच** औषधीय पौधों के महत्त्व का वर्णन कीजिये।

Or/**अथवा**

Describe Saptadhātus according to Āyurveda.

आयुर्वेद के अनुसार सप्तधातुओं का वर्णन कीजिये।

6. Write short notes on any *two* : 2×7.5=15

(*a*) Trimala

(*b*) Ghṛta Kumārī

(*c*) Kaumārabhṛtya

(*d*) Ātreya Sampradāya.

किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(क) त्रिमल

(ख) घृत कुमारी

(ग) कौमार्यभृत्य

(घ) आत्रेय सम्प्रदाय।

7. कौटिल्य के मतानुसार कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का विवेचन कीजिये।

Discuss the concept of 'welfare state' according to Kautilya.

8. किन्ही दो पर टिप्पणी करें

Write a note on any **two** :

(i) धर्म के स्रोत

Sources of Dharma

(ii) पञ्च महायज्ञ

Pañcha Mahāyajña

(iii) सप्तांग राज्य

Saptāṅga Rājya

(iv) चतुर्विध उपाय

Four fold Upāya

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2140 **I**

Unique Paper Code : 2132101103

Name of the Paper : Indian Social Institutions and Polity, DSCC-3

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **5** questions in all but attempt at least **two** from each section.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए किन्तु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग-1 (Part 1)

1. प्राचीन भारत में 'धर्म' एक नियामक व्यवस्था थी'। विस्तृत टिप्पणी दें।

   'Dharma' was a social normative term in ancient India'. Comment in detail.

2. जन्म के पश्चात् होने वाले संस्कारों का विस्तार से वर्णन करें।

   Describe in detail the 'Saṁskāras to be performed after birth.

3. पुरूषार्थ चतुष्टय से आप क्या समझते हैं? प्रत्येक का विस्तार से वर्णन कीजिये।

   What do you understand by Puruṣārtha Chatuṣtaya ? Describe each in detail.

4. प्राचीन भारत में वर्ण व्यवस्था के विवध सोपानों का विस्तृत उल्लेख करें।

   Describe the various stages of Varṇa system in ancient India.

भाग-2 (Part 2)

5. अन्तर्राज्यीय सम्बन्धों के प्रसंग में मण्डल सिद्धान्त की अवधारणा समझाएँ।

   Explain the concept of Maṇḍala Theory in the context of interstate relations.

6. षड्गुण सिद्धांतों का निरूपण करके वर्तमान में इसकी प्रासंगिकता का विवेचना कीजिये।

   Discuss the theory of Śāḍgunya Policy and its contemporary relevance.

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2713**

Unique Paper Code : **2131002004** **A**

Name of the Paper : **Advance Ancient Indian Economy**

Name of the Course : **AEC—Sanskrit–A**

Semester : **III**

Duration : **2 Hours** Maximum Marks : **60**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Answer any *three* of the following questions : 3×10=30

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

(*i*) Throw light on the importance of agriculture and commerce in the Vedic period economy.

वैदिककालीन अर्थव्यवस्था में कृषि एवं वाणिज्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

(*ii*) Was there state control over economic resources during the Maurya period ? Explain in detail.

क्या मौर्यकाल में आर्थिक स्रोतों पर राजकीय नियंत्रण था ? विस्तार से समझाइए।

(*iii*) Outline the industrial development in the Gupta period economy.

गुप्तकालीन अर्थव्यवस्था में औद्योगिक विकास को रेखांकित कीजिए।

(*iv*) Throw light on the economic system of India during Buddha's time.

बुद्धकालीन भारत की आर्थिक व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

2. Answer any *three* of the following questions : 3×8=24

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

(*i*) Explain the tax policy described in Manusmriti.

मनुस्मृति में वर्णित कर नीति को समझाइए।

(*ii*) According to Arthshastra, throw light on *Aayamukha* and *Vyayasharira*.

अर्थशास्त्र के अनुसार आयमुख एवं व्ययशरीर पर प्रकाश डालिए।

(*iii*) Define *Karaniya* and *Siddha* according to Arthashastra.

अर्थशास्त्र के अनुसार करणीय एवं सिद्ध को परिभाषित कीजिए।

(*iv*) Explain the nature of the *Durga* and *Rashtra* described in the Arthashastra.

अर्थशास्त्र में वर्णित दुर्ग एवं राष्ट्र के स्वरूप को समझाइए।

3. Write short notes on any *two* of the following : $2 \times 3 = 6$

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(*i*) Vyushta

व्युष्ट

(*ii*) Paryushit Aaya

पर्युषित आय

(*iii*) Nivi

नीवी

(*iv*) Rashtra

राष्ट्र

(ग) सीताध्यक्ष

(Sitadhyaksha)

(घ) अमात्य

(Amatya)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2714 **I**

Unique Paper Code : 2131002005

Name of the Paper : Intermediate: Administrative Structure in Kautilya's Arthashastra, AEC

Name of the Course : **AEC – Sanskrit**

Semester : III

Duration : 2 Hours Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दें : (12×4=48)

Answer any **four** questions of the following :

(i) कौटिलीय अर्थशास्त्र के वर्ण्य-विषयों का वर्णन करें।

Discuss the subject matter of Kautilya's Arthashastra.

(ii) राज्य के सप्तांग सिद्धान्त का वर्णन करें।

Discuss the Saptanga theory of state.

(iii) कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का वर्णन करें।

Discuss the concept of welfare state.

(iv) कौटिलीय अर्थशास्त्र के विभिन्न संस्करणों तथा उनके अनुवादों का वर्णन करें।

Discuss the different editions and translations of Kautilya's Arthashastra.

(v) कौटिलीय अर्थशास्त्र के पंद्रह अधिकरणों का वर्णन करें।

Discuss the fifteen Adhikaranas of Kautilya's Arthashastra.

(vi) समाहर्ता एवं सन्निधाता के कार्यों का मूल्यांकन करें।

Evaluate the responsibilities of Samaharta and Sannidhata.

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी करें : (06×2=12)

Write short notes on any **two** of the following :

(क) धर्मस्थीय

(Dharmasthiya)

(ख) कंटकशोधन

(Kantakashodhana)

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No...................................

Sr. No. of Question Paper : **2733**
Unique Paper Code : **2131002006**
Name of the Paper : **(Introductory) Culture and Society (AEC)**
Name of the Course : **AEC: Sanskrit**
Semester : **III**
Duration: 2 Hours **Maximum Marks: 60**

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. There are 3 parts in this question paper. All the parts are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1 इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी खण्ड अनिवार्य हैं ।

भाग (क) / Part A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए: (6×3=18)

Answer any **Three** Questions of the following:

(i) भगवद्गीता के अनुसार स्थितप्रज्ञ का लक्षण बताइए।

Write the features of *Sthitapragya* according to *Bhagvadgita*.

(ii) ईशावास्योपनिषद् के प्रथम मंत्र का वर्णन करिए।

Describe the first Mantra of *Ishavasyopnishad*.

(iii) देश की स्वतंत्रता में महात्मा गाँधी के सिद्धांतो के योगदानों का वर्णन करिए।

Discuss the contribution of the principles of Mahatma Gandhi in the independence of country.

(iv) स्वामी विवेकानन्द के मौलिक विचारों का वर्णन करिए।

Discuss the fundament thoughts of Swami Vivekananda.

(v) महात्मा बुद्ध के सिद्धांतो का वर्णन करिए।

Discuss the principles of Mahatma Buddha.

भाग (ख) / Part B

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी करिए : (4×3=12)

Write short notes on any **three** of the following:

(i) श्रीमद्भगवद्गीता

Srimadbhagwadgita

(ii) संज्ञानसूक्त

Sanjnana Sukta

(iii) अस्तेय

Asteya

(iv) मनु

Manu

(v) स्वामी दयानन्द सरस्वती

Swami Dayanand Saraswati

भाग (ग) / Part C

3. निम्नलिखितमें से किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए: (10×3=30)

Answer any **Three** Questions of the following:

(i) ईशावास्योपनिषद् के सार का वर्णन करिए।

Write the summary of the *Ishavasyopnishad*.

(ii) वर्तमान में स्थितप्रज्ञता किस प्रकार प्राप्त की जा सकती है?

How to attain *Sthitapragyata* in present time?

(iii) ऋग्वेद में वर्णित संज्ञान सूक्त के महत्त्व का प्रतिपादन करिए।

Discuss the importance of *Sanjnana Sukta* of *Rigveda*.

(iv) एक सामाजिक चिंतक के रूप में कौटिल्य के विचारों का वर्णन करिए।

Discuss the thoughts of Kautilya as a social thinker.

(v) स्वामी विवेकानंद के सामाजिक चिंतन का वर्णन करिए।

Discuss the social thinking of Swami Vivekananda.

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए। (01×07=07)
Explain any **one** of the following in Sanskrit:

(क) सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेत्सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्।।

(ख) आ परितोषाद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।।

(ग) उपरि घनं घनरटितं दूरे दयिता किमेतदापतितम्।
हिमवति दिव्यौषधयः शीर्षे सर्पः समाविष्टः।।

4. प्रश्नसंख्या 1, 2 और 3 के रेखांकित पदों में से किन्हीं **चार** पर व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ लिखिए। (04×01=04)
Write grammatical notes on any **four** underlined words in question 1, 2, and 3.

5. **'भासो हासः'** - कथन की समीक्षा कीजिए। (10)
Examine the statement – 'bhāso hāsaḥ'.

अथवा/OR

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के **चतुर्थ अङ्क** के महत्त्व का वर्णन कीजिए।
Describe the importance of the fourth act of ' abhijñānaśākuntalam '.

6. संस्कृत नाटकों के उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए। (10)
Describe the origin and development of Sanskrit Drama.

अथवा/OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।
Write detail notes on any **two** of the following:

(क) शूद्रक (Shudraka)

(ख) श्रीहर्ष (Shri Harsha)

(ग) भवभूति (Bhavabhuti)

(घ) भट्टनारायण (Bhattanarayana)

(500)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 6646 **I**

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Drama), DSC

Name of the Course : **B.A. (H.) Sanskrit, CBCS – LOCF**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए। (05×05=20)
Translate the following:

(क) परिहरतु भवान् नृपापवादं
न परुषमाश्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते
वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति।।
अथवा/OR
किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशङ्कितं मे
कन्या मयाप्यपहृता न च रक्षिता सा।
भाग्यैश्चलैर्महदवाप्तगुणोपघातः
पुत्रः पितुर्जनितरोष इवास्मि भीतः।।

(ख) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या, वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री,
ये द्वे कालं विधत्तः, श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।
यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः,
प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः।।
अथवा/OR
विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्
कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव।।

(ग) पादस्याविर्भवन्तीमवनतिमवने रक्षतः स्वैरपातैः
सङ्कोचेनैव दोष्णां मुहुरभिनयतः सर्वलोकातिगानाम्।
दृष्टिं लक्ष्येषु नोग्रज्वलनकणमुचं बध्नतो दाहभीते
रित्याधारानुरोधात्त्रिपुरविजयिनः पातु वो दुःखनृत्तम्।।
अथवा/OR
पृथिव्यां किं दग्धाः प्रथितकुलजा भूमिपतयः
पतिं पापे मौर्यं यदसि कुलहीनं वृतवती।
प्रकृत्या वा काशप्रभवकुसुमप्रान्तचपला
पुरन्ध्रीणां प्रज्ञा पुरुषगुणविज्ञानविमुखी।।

(घ) उल्लंघयन् मम समुज्ज्वलतः प्रतापं
कोपस्य नन्दकुलकाननधूमकेतोः।
सद्यः परात्मपरिमाणविवेकमूढः
कः शालभेन विधिना लभतां विनाशम्।।

अथवा/OR
परार्थानुष्ठाने रहयति नृपं स्वार्थपरता
परित्यक्तस्वार्थो नियतमयथार्थः क्षितिपतिः।
परार्थश्चेत्स्वार्थादभिमततरो हन्त परवान्
परायत्तः प्रीतेः कथमिव रसं वेत्ति पुरुषः।।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (03×08=24)
Explain the following with reference to context:

(क) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी-
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्त्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्त्तमाना
चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तिः।।
अथवा/OR
कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्यधर्मो वनानां
काले काले छिद्यते रुह्यते च।।

(ख) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।
अथवा/OR
यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं न तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।।

(ग) आस्वादितद्विरदशोणितशोणशोभां
सन्ध्यारुणामिव कलां शशलाञ्छनस्य।
जृम्भाविदारितमुखस्य मुखात्स्फुरन्तीं
को हर्तुमिच्छति हरेः परिभूय दंष्ट्राम्।।
अथवा/OR

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिये जिसमें से एक संस्कृत में हो : (6 x 3=18)

Comment on any three of the following, one of which should be in Sanskrit:

- पञ्चसन्धियाँ (Pancasandhiyan)
- धीरोदात्त (Dhirodatta)
- शृङ्गार रस (Shringaara Rasa)
- नेपथ्य (Nepathya)
- प्रेक्षागृह (Prekshagriha)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper : 2324 I

Unique Paper Code : 2132202301

Name of the Paper : Sanskrit Theatre

Name of the Course : **B. A. (Prog.) Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answer should be written in **Sanskrit or in Hindi or English,** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2.. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. नाट्यशास्त्र में वर्णित नाट्यमण्डपों के बारे में बताइए । (18)

Tell about the theater halls described in Natyashastra.

अथवा / OR

वैदिककालीन नाट्य के स्वरूप को स्पष्ट करें ।

Explain the nature of Vedic period drama.

2. नाट्यगृह के निर्माण में मुख्य तत्त्वों की विवेचना कीजिए। (18)

Discuss the main elements in the construction of a theatre.

अथवा / OR

परिमाण की दृष्टि से नाट्यमण्डपों को विभक्त कर विस्तृत वर्णन कीजिये।

Divide the theater halls in terms of size and describe them in detail.

3. अभिनय को परिभाषित करते हुए सात्विक और आहार्य की विस्तृत व्याख्या कीजिए। (18)

While defining Abhinaya, give a detailed explanation of Satvik and Aaharya.

अथवा / OR

नाटकीय कथावस्तु के विस्तृत स्वरूप को बताते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए ।

Explaining the broad nature of the dramatic story, describe its differences.

4. भित्ति कर्म एवं चित्र कर्म को व्याख्यायित कीजिये । (18)

Explain mural work and painting work.

अथवा / OR

महाभारतकालीन रंगमंच की विशेषताओं को समझाइए ।

Explain the characteristics of theater during Mahabharata period.

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2498**

Unique Paper Code : **2133100010**

Name of the Paper : **Introduction to Sanskrit Poetics, DSE**

Name of the Course : **B.A. (P) Sanskrit—DSE**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Unless otherwise required in a question paper answers should be written either in *Sanskrit* or in *Hindi* or in *English*, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिंदी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the origin and development of Sanskrit Poetics. 18

संस्कृत काव्यशास्त्र के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए।

अथवा/*Or*

Describe the purpose of poetry according to Acharya Mammata.

आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-प्रयोजन का उल्लेख कीजिए।

2. Describe the poetic cause according to Panditraj Jagannath. 18

पंडितराज जगन्नाथ के अनुसार काव्य-हेतु की समीक्षा कीजिए।

अथवा/*Or*

"नैसर्गिकी च प्रतिभा श्रुतं च बहुनिर्मलम्" Describe this statement.

"नैसर्गिकी च प्रतिभा श्रुतं च बहुनिर्मलम्" इस कथन की विवेचना कीजिए।

3. Describe the poetic characteristics according to Acharya Mammat. 18

आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य-लक्षणों का विवेचन कीजिए।

अथवा/*Or*

Describe the poetic characteristics according to Vishvanath.

विश्वनाथ के अनुसार काव्य-लक्षणों का विवेचन कीजिए।

4. Define and illustrate any *three* of the following figures of speech according to Chandralok : 3×6=18

(*i*) Upama

(*ii*) Utpreksha

(*iii*) Yamak

(*iv*) Vibhavana

(*v*) Visheshokti

चन्द्रालोक के अनुसार निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों के सोदाहरण लक्षण दीजिए :

(*i*) उपमा

(*ii*) उत्प्रेक्षा

(*iii*) यमक

(*iv*) विभावना

(*v*) विशेषोक्ति

5. Write short notes on any *three* of the following : 3×6=18

(*i*) Mammat

(*ii*) Dandi

(*iii*) Kuntak

(*iv*) Bhamah

(*v*) Vishvanath.

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) मम्मट

(*ii*) दण्डी

(*iii*) कुंतक

(*iv*) भामह

(*v*) विश्वनाथ।

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6664**

Unique Paper Code : **12131502**

Name of the Paper : **Sanskrit Grammar**

Name of the Course : **B.A. (H), Sanskrit**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Attempt *all* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Section-A

भाग-क

1. Write the स्थान and आभ्यन्तरप्रयत्न of any *four* words of the following : 4×2=8

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए :

उ, च्, झ्, ष्, य्, ओ, म्

2. Explain with examples any *two* technical terms of the following : 2×3=6

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए :

स्वरितः, पद, अदर्शन, अनुनासिक, संयोगः

3. Write the letters of any *four* of the प्रत्याहार. 4×1=4

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :

अच्, इक्, झष्, जश्, खर्, यर्, शर्, झय्

4. Disjoin Sandhis in any *five* of the following quoting relevant sutras : 5×2=10

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का सूत्रनिर्देशपूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए :

सुद्ध्युपास्यः, हरये, गङ्गोदकम्, हरिंवन्दे, रामश्चिनोति, शिवोऽर्च्यः, भगोनमस्ते.

5. Explain and illustrate any *two* of the following : 2×4=8

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

अकः सवर्णेदीर्घः, इकोयणचि, एचोऽयवायावः, स्तोः श्चुनाश्चुः, हशिच

Section-B

भाग-ख

6. Choosing *three* compounds from Unit 1 and *two* compounds from Unit 2, explain total *five* formations with relevant sutras with their names : 5×3=15

अन्विति 1 से **तीन** तथा अन्विति 2 से **दो** पदों को चुनकर कुल **पाँच** पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए :

अन्विति 1

अधिहरि, अधिगोपम्, उपचर्म, कृष्णश्रितः, यूपदारू, सप्तर्षयः

अन्विति 2

पीताम्बरः, बहिर्लोमः, सुपात्, हरिहरौ, शिवकेशवौ

7. Explain and illustrate any *two* of the following sutras : 2×4=8

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

सह सुपा, अव्ययीभवश्च, नदीभिश्च, द्विगुश्च, पञ्चमी भयेन

8. Justify प्रकृति-प्रत्यय in any *five* compounds of the following : 5×2=10

निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों में प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट कीजिए :

आश्वपतः, दाक्षिः, वैनतेयः, जनता, गोमयम्, शिक्षकः, दन्त्यम्, गोत्वम्, गोमान्

9. Among the following प्रकृति-प्रत्यय, combine any *three* of them to form the respective compounds : 3×2=6

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रकृति-प्रत्ययों को संयुक्त करते हुए पद-निर्माण कीजिए :

अश्व + मयट्, गो + त्व, दण्ड + इनि, उपगु + अण्, कण्ठ + यत्, गर्ग + यञ्

(ii) उपनिषदों का महत्व

(Importance of Upanishad)

(iii) ब्राह्मण ग्रंथों का परिचय

(Introduction of Brahmana)

(iv) अग्नि का वैदिक स्वरूप

(Vedic features of Agni.)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5×2=9)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) कठोपनिषद् के अनुसार श्रेयस् मार्ग

(ii) आरण्यक

(iii) आत्मतत्त्व

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 1706 **I**

Unique Paper Code : 2132103501

Name of the Paper : VEDA AND UPANISHAD (DSCC-13)

Name of the Course : **BA (H), Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों का अनुवाद कीजिए : (6×3=18)

Translate any **three** of the following mantras :

(i) मदेमद्रे हि नोद दिर्युथा गवामृजुक्रतुः ।

सं गृभाय पुरू शतोभयाहस्त्या वसु शिशीहि राय आ भर ।।

(ii) अग्निमींळे पुरोहितं, यज्ञस्यं देवमृत्विजंम् ।

होतारं रत्नधातमम् ।।

(iii) आ पौ पार्थिवं रजो बद्ध्ये रोचना दिवि ।

न त्वावाँ इन्द्र कश्चन न जातो न जनिष्यतेऽति विश्वं ववक्षिथ ।।

(iv) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः स्वयं धीराः पण्डितंमन्यमानाः ।

दन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढा अन्धेनैव नीयमाना यथान्धाः

2. निम्नलिखित में से **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (9×2=18)

Explain any **two** of the following mantras :

(i) स नः पितेवं सूनवे, अग्नें सूपायनो भव ।

सचस्वा नः स्वस्तये ।।

(ii) असि हि वीर सेन्योऽसि भूरि परादिः ।

असि दभ्रस्य चिद्वृधो यजमानाय शिक्षसि सुन्वते भूरिं ते वसु ।।

(iii) श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेतः तौ सम्परीत्य विविनक्ति धीरः ।

श्रेयो हि धीरोऽभि प्रेयसो वृणीते प्रेयो मन्दो योगक्षेमाद् वृणीते ।।

3. निम्नलिखित में से **एक** मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (9)

Explain any **one** Mantra in Sanskrit :

सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद्वदन्ति ।

यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदंसंग्रहेण ब्रवीम्योमित्येतत् ।।

अथवा / OR

अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे । यशसं वीरवत्तमम् ।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का विवेचन कीजिए : (18×2=36)

Explain any **two** of the following :

(i) ऋग्वेद के वर्ण्य – विषय

(Subject matter of Rigveda)